Result Mitra
दैनिक जागरण
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
दैनिक भास्कर
THE HINDU
जनसत्ता
Daily
CURRENT
AFFAIRS
IAS/PCS
अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान
10 March
NEWS
FIND

Quote of the Day

Result Mitra™

पूरी तरह वश में किया हुआ मन हमारा
सबसे अच्छा मित्र होता है।
लेकिन, ये अनियंत्रित हो जाए तो
सबसे बड़ा शत्रु हो जाता है।

- श्रीमद् भगवद् गीता

जगीरोड इलेक्ट्रॉनिक सिटी का नाम परिवर्तित करके रतन टाटा इलेक्ट्रॉनिक सिटी घोषित

UPSC Syllabus Relavanace

- UPSC Mains Paper 2

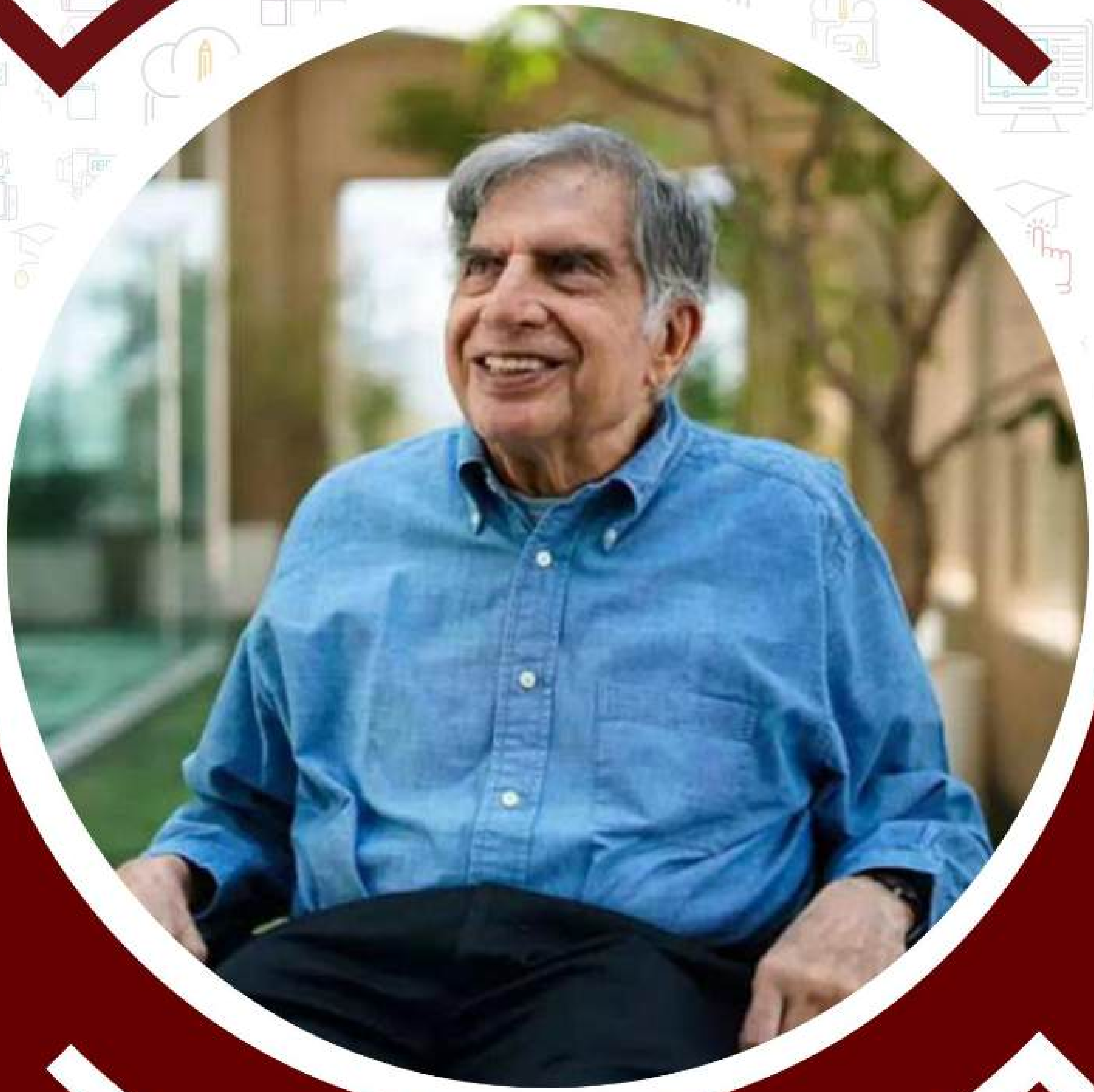

जगीरोड इलेक्ट्रॉनिक सिटी का परिवर्तित नाम रतन टाटा इलेक्ट्रॉनिक सिटी

- असम सरकार ने एक अहम निर्णय लेते हुए जगीरोड इलेक्ट्रॉनिक सिटी का नाम बदलकर "रतन टाटा इलेक्ट्रॉनिक सिटी" रखने की घोषणा की। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने यह जानकारी साझा की।
- इस पहल का उद्देश्य रतन टाटा के औद्योगिक योगदान को सम्मानित करना है, जिन्होंने टाटा समूह के माध्यम से असम के आर्थिक और औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

- यह निर्णय फरवरी 2025 में आयोजित "एडवांटेज असम 2.0 इन्वेस्टमेंट समिट" के बाद लिया गया, जिसमें टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने रतन टाटा और असम के बीच मजबूत संबंधों पर प्रकाश डाला था।

प्रमुख बिंदु

1. "रतन टाटा इलेक्ट्रॉनिक सिटी" की घोषणा

- असम सरकार ने जगीरोड में निर्माणाधीन इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी का नाम बदलकर "रतन टाटा इलेक्ट्रॉनिक सिटी" कर दिया।
- यह निर्णय रतन टाटा के औद्योगिक योगदान को सम्मानित करने के लिए लिया गया।
- टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने असम और टाटा समूह के गहरे औद्योगिक संबंधों को रेखांकित किया।

प्रमुख बिंदु

2. असम में सेमीकंडक्टर उद्योग की दिशा

- मार्च 2024 में, रतन टाटा ने असम को सेमीकंडक्टर उद्योग का हब बनाने का विजन साझा किया।
- ₹27,000 करोड़ के निवेश से असम में भारत की पहली स्वदेशी सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट फैसिलिटी स्थापित की जा रही है।

प्रमुख बिंदु

2. असम में सेमीकंडक्टर उद्योग की दिशा

- यह परियोजना:
  - 48 मिलियन चिप्स प्रतिदिन का उत्पादन करेगी।
  - 30,000 नौकरियाँ उत्पन्न करेगी।
  - मोबाइल तकनीक से जुड़ी एक और यूनिट भी स्थापित की जाएगी, जिससे अतिरिक्त 30,000 नौकरियाँ मिलेंगी।

प्रमुख बिंदु

3. असम में टाटा समूह की बढ़ती उपस्थिति

- टाटा समूह की असम में चाय, स्वास्थ्य सेवा और इलेक्ट्रॉनिक्स सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपस्थिति है।
- वर्तमान में टाटा कंपनियों में 55,000 से अधिक कर्मचारी असम में कार्यरत हैं।
- टाटा ट्रस्ट और असम सरकार के सहयोग से 17 कैंसर अस्पतालों का निर्माण किया जा रहा है।
- टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स असम में 21 चाय सम्पत्तियों और 20 निर्माण एवं पैकेजिंग इकाइयों का संचालन कर रहा है।

प्रमुख बिंदु

4. औद्योगिक और आर्थिक प्रभाव

- यह परियोजना वैश्विक कंपनियों और विशेषज्ञों को असम की ओर आकर्षित करेगी।
- असम के शहरी विकास और मोबाइल तकनीक उद्योग को नया प्रोत्साहन मिलेगा।
- भारत की सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण क्षमता को मजबूती मिलेगी।
- असम को वैश्विक सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स सप्लाई चेन का एक प्रमुख केंद्र बनाने में मदद मिलेगी।

प्रमुख बिंदु

5. सरकार की मान्यता और समर्थन

- मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने "रतन टाटा इलेक्ट्रॉनिक सिटी" की आधिकारिक घोषणा की।
- केंद्रीय रेलवे, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री ने भी असम की सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में बढ़ती भूमिका को सराहा।
- यह निर्णय असम को भारत के प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने की सरकार की योजना का हिस्सा है।

जगीरोड इलेक्ट्रॉनिक सिटी का परिवर्तित नाम रतन टाटा इलेक्ट्रॉनिक सिटी

Result Mitra
RESULT MITRA

सारांश (मुख्य जानकारी एक नजर में)	
विवरण	**जानकारी**
मुख्य खबर	असम सरकार ने जगीरोड इलेक्ट्रॉनिक सिटी का नाम "रतन टाटा इलेक्ट्रॉनिक सिटी" रखा।
परियोजना का नाम	रतन टाटा इलेक्ट्रॉनिक सिटी, जगीरोड
स्थान	जगीरोड, असम
घोषणा करने वाला	असम राज्य मंत्रिमंडल

जगीरोड इलेक्ट्रॉनिक सिटी का परिवर्तित नाम रतन टाटा इलेक्ट्रॉनिक सिटी

Result Mitra
RESULT MITRA

सारांश (मुख्य जानकारी एक नजर में)	
विवरण	**जानकारी**
नामकरण का कारण	रतन टाटा के औद्योगिक योगदान को सम्मान देना
टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स का निवेश	₹27,000 करोड़ सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट फैसिलिटी के लिए
चिप उत्पादन क्षमता	48 मिलियन चिप्स प्रतिदिन
रोजगार सृजन	30,000 नौकरियाँ सेमीकंडक्टर क्षेत्र में + 30,000 नौकरियाँ मोबाइल टेक्नोलॉजी क्षेत्र में

औद्योगिक

जगीरोड इलेक्ट्रॉनिक सिटी का परिवर्तित नाम रतन टाटा इलेक्ट्रॉनिक सिटी

Result Mitra
RESULT MITRA

सारांश (मुख्य जानकारी एक नजर में)	
विवरण	**जानकारी**
असम में टाटा की उपस्थिति	55,000+ कर्मचारी, 17 कैंसर अस्पताल, 21 चाय संपत्तियाँ, 20 उत्पादन इकाइयाँ
आर्थिक प्रभाव	वैश्विक निवेश को आकर्षित करना, भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र को सशक्त बनाना, रोजगार बढ़ाना
सरकार का विजन	असम को इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर विनिर्माण का प्रमुख केंद्र बनाना

निष्कर्ष

- असम सरकार द्वारा रतन टाटा इलेक्ट्रॉनिक सिटी का नामकरण सिर्फ एक प्रतीकात्मक निर्णय नहीं है, बल्कि यह राज्य में टेक्नोलॉजी और उद्योगों के विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है।
- टाटा समूह की लगातार बढ़ती उपस्थिति असम को भारत के सबसे उभरते हुए सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करने में सहायक होगी।

Result Mitra

प्रश्न: असम सरकार द्वारा जगीरोड इलेक्ट्रॉनिक सिटी का नाम बदलकर "रतन टाटा इलेक्ट्रॉनिक सिटी" रखने के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह निर्णय रतन टाटा के औद्योगिक योगदान को सम्मान देने के लिए लिया गया।

2. इस परियोजना के तहत असम में भारत की पहली स्वदेशी सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट फैसिलिटी स्थापित की जा रही है।

3. इस परियोजना में टाटा समूह द्वारा ₹50,000 करोड़ का निवेश किया जा रहा है।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(A) केवल 1 और 2 (B) केवल 2 और 3

(C) केवल 1 और 3 (D) 1, 2 और 3

सी ड्रैगन नौसैनिक अभ्यास 2025

UPSC Syllabus Relavanace

- UPSC Mains Paper 3

Result Mitra

सी ड्रैगन नौसैनिक अभ्यास 2025

Result Mitra
RESULT MITRA

चर्चा में क्यों?

- सी ड्रैगन 2025, एक उच्च-स्तरीय बहुपक्षीय पनडुब्बी रोधी युद्ध (ASW) अभ्यास, गुआम तट के पास पश्चिमी प्रशांत महासागर में शुरू हो चुका है। अमेरिकी नौसेना के 7वें बेड़े द्वारा आयोजित यह युद्धाभ्यास 4 मार्च से 19 मार्च 2025 तक चलेगा।

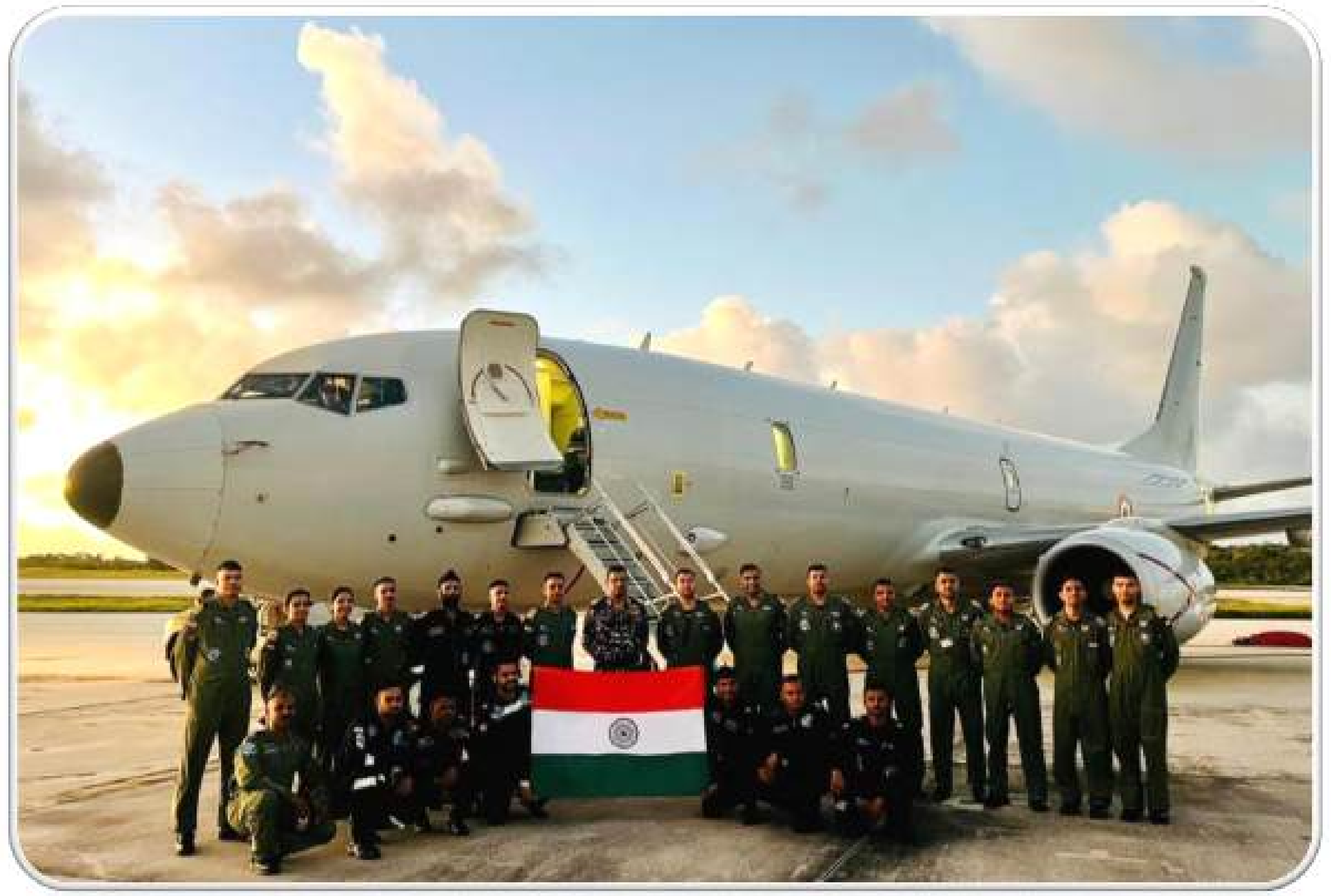

सी ड्रैगन नौसैनिक अभ्यास 2025

Result Mitra
RESULT MITRA

चर्चा में क्यों?

- इस अभ्यास में भारतीय नौसेना, जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स (JMSDF), रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स (RAAF) और रिपब्लिक ऑफ कोरिया नेवी (ROKN) सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य सामरिक समन्वय बढ़ाना और समुद्री सुरक्षा अभियानों को मजबूत करना है।

सी ड्रैगन नौसैनिक अभ्यास 2025

सी ड्रैगन अभ्यास का ऐतिहासिक विकास और भागीदारी

1. प्रारंभिक चरण और विस्तार

- 2019: यह अभ्यास एक द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास के रूप में शुरु हुआ, जिसमें केवल अमेरिकी नौसेना और रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स (RAAF) शामिल थे।
- 2020: इसमें जापान (JMSDF), दक्षिण कोरिया (ROKN) और न्यूज़ीलैंड (RNZN) भी जुड़ गए।

सी ड्रैगन नौसैनिक अभ्यास 2025

सी ड्रैगन अभ्यास का ऐतिहासिक विकास और भागीदारी

1. प्रारंभिक चरण और विस्तार

- 2021-2023: भारत, कनाडा और दक्षिण कोरिया सहित क्वाड देशों (भारत, अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया) की सक्रिय भागीदारी हुई।
- 2024: कनाडा इस अभ्यास से बाहर रहा, जिससे यह क्वाड + दक्षिण कोरिया का संयुक्त युद्धाभ्यास बन गया।

सी ड्रैगन नौसैनिक अभ्यास 2025

Result Mitra
RESULT MITRA

सी ड्रैगन अभ्यास का ऐतिहासिक विकास और भागीदारी

2. सी ड्रैगन 2025 में भागीदार देश

- इस वर्ष अमेरिकी नौसेना ने निम्नलिखित नौसैनिक बलों को आमंत्रित किया है:
- भारतीय नौसेना
  - जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स (JMSDF)
  - रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स (RAAF)
  - रिपब्लिक ऑफ कोरिया नेवी (ROKN)
- इन देशों के नौसैनिक बल संयुक्त पनडुब्बी रोधी युद्ध (ASW) प्रशिक्षण में भाग लेंगे, जिससे सामरिक समन्वय और समुद्री निगरानी क्षमताएं विकसित होंगी।

सी ड्रैगन नौसैनिक अभ्यास 2025

Result Mitra
RESULT MITRA

सी ड्रैगन 2025 के उद्देश्य और महत्व

1. प्रमुख उद्देश्य

- सैन्य सहयोग को बढ़ावा देना – भागीदार नौसेनाओं के बीच रक्षा रणनीति और समन्वय को मजबूत करना।
- समुद्री सुरक्षा को सुनिश्चित करना – इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्र और सुरक्षित नौवहन को बढ़ावा देना।

सी ड्रैगन नौसैनिक अभ्यास 2025

सी ड्रैगन 2025 के उद्देश्य और महत्व

1. प्रमुख उद्देश्य

- पनडुब्बी रोधी तकनीकों में सुधार – ट्रैकिंग, टोही मिशन और खुफिया साझाकरण की दक्षता बढ़ाना।
- वास्तविक पनडुब्बी शिकार पर अभ्यास – अमेरिकी नौसेना की पनडुब्बी का लाइव-हंटिंग अभ्यास अंतिम चरण में किया जाएगा।

सी ड्रैगन नौसैनिक अभ्यास 2025

Result Mitra
RESULT MITRA

सी ड्रैगन 2025 के उद्देश्य और महत्व

2. अभ्यास की प्रकृति: पनडुब्बी रोधी युद्ध (ASW) पर विशेष ध्यान

- प्रत्येक देश अपने समुद्री गश्ती और टोही विमान (MPRA) तैनात करता है, जिससे शत्रु पनडुब्बियों की ट्रैकिंग की जा सके।
- भारतीय नौसेना ने अपने P-8I समुद्री गश्ती और टोही विमान को इस अभ्यास के लिए भेजा है, जिसे बोइंग (अमेरिका) द्वारा निर्मित किया गया है।

सी ड्रैगन नौसैनिक अभ्यास 2025

सी ड्रैगन 2025 के उद्देश्य और महत्व

2. अभ्यास की प्रकृति: पनडुब्बी रोधी युद्ध (ASW) पर विशेष ध्यान

- अभ्यास में शामिल गतिविधियाँ:
  - मॉक ASW ड्रिल्स
  - सामरिक चर्चा
  - वास्तविक पनडुब्बी पहचान प्रशिक्षण
  - संयुक्त ऑपरेशन रणनीतियों का विकास

सी ड्रैगन नौसैनिक अभ्यास 2025

Result Mitra
RESULT MITRA

3. ग्रेडिंग सिस्टम और "ड्रैगन बेल्ट अवार्ड"

2. अभ्यास की प्रकृति: पनडुब्बी रोधी युद्ध (ASW) पर विशेष ध्यान

- इस अभ्यास के दौरान प्रतिभागी देशों की पनडुब्बी पहचान और ट्रैकिंग दक्षता का मूल्यांकन किया जाता है।
- जो देश सबसे अधिक अंक अर्जित करता है, उसे "ड्रैगन बेल्ट अवार्ड" प्रदान किया जाता है।
- 2022 से लगातार जापान (JMSDF) इस पुरस्कार को जीतता आ रहा है, जो इसकी शक्तिशाली पनडुब्बी रोधी क्षमताओं को दर्शाता है।

सी ड्रैगन नौसैनिक अभ्यास 2025

Result Mitra
RESULT MITRA

भारत और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए सी ड्रैगन 2025 का प्रभाव

1. भारत के लिए रणनीतिक लाभ

- भारतीय नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं में सुधार।
- अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और दक्षिण कोरिया के साथ रक्षा साझेदारी को मजबूत करना।
- भविष्य में संयुक्त नौसैनिक अभियानों की तैयारी को बेहतर बनाना।

सी ड्रैगन नौसैनिक अभ्यास 2025

भारत और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए सी ड्रैगन 2025 का प्रभाव

2. इंडो-पैसिफिक क्षेत्र पर प्रभाव

- क्षेत्र में स्थिरता और स्वतंत्र नौवहन को बनाए रखना।
- समुद्री खतरों के खिलाफ रक्षा सहयोग को मजबूत करना।
- भागीदार देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाना।

सी ड्रैगन नौसैनिक अभ्यास 2025

संक्षिप्त विवरण: एक नजर में	
विवरण	**जानकारी**
क्यों चर्चा में है?	सी ड्रैगन 2025 नौसैनिक अभ्यास अमेरिकी नौसेना के 7वें बेड़े द्वारा गुआम तट के पास पश्चिमी प्रशांत महासागर में 4-19 मार्च 2025 तक आयोजित किया जा रहा है।
मेजबान देश	संयुक्त राज्य अमेरिका (अमेरिकी नौसेना का 7वां बेड़ा)
भाग लेने वाले देश	भारतीय नौसेना, जापान (JMSDF), ऑस्ट्रेलिया (RAAF), दक्षिण कोरिया (ROKN)

सी ड्रैगन नौसैनिक अभ्यास 2025

संक्षिप्त विवरण: एक नजर में	
विवरण	**जानकारी**
अभ्यास का उद्देश्य	☑ सामरिक समन्वय को मजबूत करना ☑ पनडुब्बी रोधी युद्ध (ASW) तकनीकों का विकास ☑ समुद्री सुरक्षा में सुधार ☑ अमेरिकी नौसेना की पनडुब्बी का सिम्युलेटेड शिकार (मॉक अभ्यास) ☑ अंतरराष्ट्रीय सैन्य सहयोग को बढ़ावा देना
भारतीय नौसेना की भूमिका	P-8I समुद्री गश्ती और टोही विमान तैनात किया गया (बोइंग, अमेरिका निर्मित)।

सी ड्रैगन नौसैनिक अभ्यास 2025

Result Mitra
RESULT MITRA

संक्षिप्त विवरण: एक नजर में	
विवरण	जानकारी
ग्रेडिंग प्रणाली	☑ प्रतिभागी देशों की पनडुब्बी पहचान दक्षता का मूल्यांकन किया जाता है। ☑ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले देश को "ड्रैगन बेल्ट अवार्ड" दिया जाता है। ☑ JMSDF (जापान) 2022 से लगातार विजेता है।

सी ड्रैगन नौसैनिक अभ्यास 2025

Result Mitra
RESULT MITRA

संक्षिप्त विवरण: एक नजर में	
विवरण	**जानकारी**
ऐतिहासिक विकास	☑ 2019: अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया के बीच द्विपक्षीय अभ्यास ☑ 2020: जापान, दक्षिण कोरिया और न्यूज़ीलैंड शामिल ☑ 2021: भारत, कनाडा और दक्षिण कोरिया शामिल ☑ 2024: कनाडा बाहर, क्वाड + दक्षिण कोरिया अभ्यास बना ☑ 2025: प्रमुख भागीदार – अमेरिका, भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया

सी ड्रैगन नौसैनिक अभ्यास 2025

संक्षिप्त विवरण: एक नजर में	
विवरण	**जानकारी**
भारत के लिए महत्व	☑ भारतीय नौसेना की युद्धक क्षमता में वृद्धि ☑ क्वाड देशों और दक्षिण कोरिया के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत करना ☑ भविष्य के संयुक्त अभियानों के लिए नौसैनिक तैयारियों को बढ़ाना
इंडो-पैसिफिक पर प्रभाव	☑ नौवहन की स्वतंत्रता और क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करना ☑ समुद्री खतरों के खिलाफ रक्षा तंत्र मजबूत करना ☑ अंतरराष्ट्रीय रक्षा साझेदारी को बढ़ावा देना

सी ड्रैगन नौसैनिक अभ्यास 2025

Result Mitra
RESULT MITRA

निष्कर्ष

- सी ड्रैगन 2025 न केवल एक समुद्री सैन्य अभ्यास है, बल्कि यह इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बहुपक्षीय सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने का एक बड़ा मंच भी है।
- यह अभ्यास भागीदार देशों की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने के साथ-साथ समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

Result Mitra

प्रश्न: "सी ड्रैगन 2025" नौसैनिक अभ्यास के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह अमेरिकी नौसेना द्वारा आयोजित एक बहुपक्षीय पनडुब्बी रोधी युद्ध (ASW) अभ्यास है।

2. इस अभ्यास में क्वाड के सभी सदस्य देश (भारत, अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया) भाग ले रहे हैं।

3. इसमें भाग लेने वाले देश ड्रैगन बेल्ट अवार्ड के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं, जो पनडुब्बी ट्रैकिंग दक्षता के आधार पर प्रदान किया जाता है।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 2 और 3

(C) केवल 1 और 3

(D) 1, 2 और 3

क्या है पंजाब का प्रोजेक्ट हिफाजत

UPSC Syllabus Relavanace

- UPSC Mains Paper 2

Result Mitra

क्या है पंजाब का प्रोजेक्ट हिफाजत

- महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को और मजबूत करने के उद्देश्य से, सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने 7 मार्च 2025 को 'सुरक्षा अभियान 2025' का शुभारंभ किया।
- इस पहल के तहत 24×7 इंटीग्रेटेड हेल्पलाइन, विभिन्न सरकारी विभागों के समन्वय और तेज आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को शामिल किया गया है।

क्या है पंजाब का प्रोजेक्ट हिफाजत

Result Mitra
RESULT MITRA

सशक्तिकरण की दिशा में एक नई पहल

- लॉन्च के दौरान, डॉ. बलजीत कौर ने महिलाओं को निर्भीक होकर अपराधों की रिपोर्ट करने और महिला हेल्पलाइन नंबर '181' अपने मोबाइल में सेव करने की अपील की।

'सुरक्षा अभियान 2025' का उद्देश्य:

- हिंसा से प्रभावित महिलाओं और बच्चों के लिए त्वरित सहायता सुनिश्चित करना।
- सरकारी एजेंसियों के समन्वय से निर्बाध समर्थन उपलब्ध कराना।
- आपात स्थितियों में तत्काल कार्रवाई करना।

क्या है पंजाब का प्रोजेक्ट हिफाजत

Result Mitra
RESULT MITRA

'सुरक्षा अभियान 2025' की मुख्य विशेषताएँ

1. 24×7 महिला और बाल हेल्पलाइन

- इस पहल के तहत 'मिशन शक्ति' और 'मिशन वात्सल्य' के अंतर्गत दो समर्पित हेल्पलाइन शुरू की गई हैं:
- महिला हेल्पलाइन (181): घरेलू हिंसा, कार्यस्थल पर उत्पीड़न और अन्य अपराधों की शिकायतों के लिए।
- बाल हेल्पलाइन (1098): बच्चों के शोषण, दुर्व्यवहार और हिंसा की घटनाओं के लिए।

क्या है पंजाब का प्रोजेक्ट हिफाजत

‘सुरक्षा अभियान 2025’ की मुख्य विशेषताएँ

1. 24×7 महिला और बाल हेल्पलाइन

महत्वपूर्ण विशेषताएँ:

- ये हेल्पलाइन 24×7 संचालित होंगी, जिससे कभी भी सहायता उपलब्ध होगी।
- आपातकालीन मामलों को ‘इमरजेंसी रिस्पॉन्स सपोर्ट सिस्टम (ERSS-112)’ से जोड़ा जाएगा, ताकि पुलिस तुरंत कार्रवाई कर सके।

क्या है पंजाब का प्रोजेक्ट हिफाजत

‘सुरक्षा अभियान 2025’ की मुख्य विशेषताएँ

2. बहु-विभागीय समन्वय से प्रभावी कार्रवाई

- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग: चिकित्सा सहायता और मानसिक स्वास्थ्य परामर्श।
- विधिक सहायता प्राधिकरण: कानूनी सहायता, सुरक्षा आदेश और मुकदमों में सहयोग।

क्या है पंजाब का प्रोजेक्ट हिफाजत

Result Mitra
RESULT MITRA

'सुरक्षा अभियान 2025' की मुख्य विशेषताएँ

2. बहु-विभागीय समन्वय से प्रभावी कार्रवाई

- 'सुरक्षा अभियान 2025' को अधिक प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न सरकारी विभागों के बीच तालमेल स्थापित किया गया है:
- पंजाब पुलिस: त्वरित कानून प्रवर्तन और बचाव अभियान।
- सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग: आश्रय, पुनर्वास और वित्तीय सहायता।

क्या है पंजाब का प्रोजेक्ट हिफाजत

Result Mitra
RESULT MITRA

'सुरक्षा अभियान 2025' की मुख्य विशेषताएँ

2. बहु-विभागीय समन्वय से प्रभावी कार्रवाई

- इस समन्वित दृष्टिकोण से:
  - पीड़ितों को कानूनी, चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक सहायता में कोई देरी नहीं होगी।
  - समाज में अपराधों की रिपोर्टिंग को बढ़ावा मिलेगा।

क्या है पंजाब का प्रोजेक्ट हिफाजत

Result Mitra
RESULT MITRA

'सुरक्षा अभियान 2025' की मुख्य विशेषताएँ

3. हर जिले में बचाव वाहनों की तैनाती

- आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को तेज और प्रभावी बनाने के लिए, हर जिले में विशेष बचाव वाहन तैनात किए जाएंगे।
- ये वाहन:
  - हेल्पलाइन पर कॉल आने के तुरंत बाद घटनास्थल पर पहुँचेंगे।
  - पीड़ितों को चिकित्सा सहायता और सुरक्षित आश्रय तक ले जाने की सुविधा देंगे।
  - मौके पर ही मनो-सामाजिक सहायता प्रदान करेंगे।

क्या है पंजाब का प्रोजेक्ट हिफाजत

Result Mitra
RESULT MITRA

'सुरक्षा अभियान 2025' की मुख्य विशेषताएँ

3. हर जिले में बचाव वाहनों की तैनाती

- **लक्ष्य:**
  - आपातकालीन प्रतिक्रिया समय को कम करना।
  - महिलाओं और बच्चों को संकट की स्थिति में सुरक्षा प्रदान करना।

क्या है पंजाब का प्रोजेक्ट हिफाजत

'सुरक्षा अभियान 2025' की मुख्य विशेषताएँ

4. प्रभावी निगरानी और क्रियान्वयन

- 'सुरक्षा अभियान 2025' की कड़ी निगरानी विभिन्न स्तरों पर की जाएगी:
- डिप्टी कमिश्नर (DC):
  - क्रियान्वयन की देखरेख करेंगे।
  - विभिन्न विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित करेंगे।

क्या है पंजाब का प्रोजेक्ट हिफाजत

Result Mitra
RESULT MITRA

'सुरक्षा अभियान 2025' की मुख्य विशेषताएँ

4. प्रभावी निगरानी और क्रियान्वयन

- 'जिला कार्यक्रम अधिकारी (DPO):
  - जमीनी स्तर पर संचालन की जिम्मेदारी संभालेंगे।
  - आपातकालीन प्रतिक्रिया व्यवस्था को प्रभावी बनाएंगे।

क्या है पंजाब का प्रोजेक्ट हिफाजत

'सुरक्षा अभियान 2025' की मुख्य विशेषताएँ

4. प्रभावी निगरानी और क्रियान्वयन

- राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष (चंडीगढ़):
  - 24×7 निगरानी केंद्र, जो संकट कॉल्स और प्रतिक्रिया समय की मॉनिटरिंग करेगा।
  - मामलों की ट्रैकिंग और फॉलो-अप सुनिश्चित करेगा।

क्या है पंजाब का प्रोजेक्ट हिफाजत

Result Mitra
RESULT MITRA

‘सुरक्षा अभियान 2025’ की मुख्य विशेषताएँ

4. प्रभावी निगरानी और क्रियान्वयन

- राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष (चंडीगढ़):
  - महिलाओं और बच्चों के लिए सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करेगा।
  - डेटा विश्लेषण और रिपोर्टिंग के माध्यम से सुरक्षा उपायों को मजबूत करेगा।
  - रीयल-टाइम ट्रैकिंग और डेटा एनालिटिक्स के उपयोग से यह परियोजना सुरक्षा तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाएगी।

क्या है पंजाब का प्रोजेक्ट हिफाजत

Result Mitra
RESULT MITRA

सरकार की प्राथमिकता: महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित पंजाब

पंजाब सरकार का लक्ष्य महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण बनाना है।

- 'सुरक्षा अभियान 2025' का उद्देश्य अपराधों की रिपोर्टिंग को प्रोत्साहित करना और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करना है।
- इस पहल के माध्यम से:
  - घरेलू हिंसा और शोषण के मामलों की रिपोर्टिंग में वृद्धि होगी।

क्या है पंजाब का प्रोजेक्ट हिफाजत

Result Mitra
RESULT MITRA

सरकार की प्राथमिकता: महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित पंजाब

इस पहल के माध्यम से:

- पीड़ितों को कानूनी और चिकित्सा सहायता तेज़ी से मिलेगी।
- पुलिस प्रतिक्रिया प्रणाली अधिक प्रभावी होगी।
- महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण विकसित होगा।

क्या है पंजाब का प्रोजेक्ट हिफाजत

Result Mitra
RESULT MITRA

सरकार की प्राथमिकता: महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित पंजाब

- ‘सुरक्षा अभियान 2025’ महिला सशक्तिकरण और बाल संरक्षण की दिशा में पंजाब सरकार की प्रमुख प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- यह पहल प्रौद्योगिकी, सरकारी एजेंसियों और जनभागीदारी को जोड़कर हिंसा के शिकार लोगों के लिए अधिक सुरक्षित और उत्तरदायी तंत्र स्थापित करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी।

क्या है पंजाब का प्रोजेक्ट हिफाजत

Result Mitra
RESULT MITRA

संक्षिप्त विवरण: एक नजर में	
श्रेणी	विवरण
क्यों चर्चा में?	सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने 7 मार्च 2025 को 'सुरक्षा अभियान 2025' लॉन्च किया। यह महिलाओं और बच्चों को हिंसा से बचाने और त्वरित सहायता प्रदान करने के लिए शुरु किया गया है।
उद्देश्य	☑ महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा और सशक्तिकरण सुनिश्चित करना। ☑ 24×7 हेल्पलाइन सहायता, बचाव अभियान और अंतर-विभागीय समन्वय से प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था बनाना।

DAILY CURRENT AFFAIRS

क्या है पंजाब का प्रोजेक्ट हिफाजत

Result Mitra

RESULT MITRA

संक्षिप्त विवरण: एक नजर में	
श्रेणी	**विवरण**
मुख्य विशेषताएँ	☑ 181 महिला हेल्पलाइन और 1098 बाल हेल्पलाइन ☑ ERSS-112 से आपातकालीन मामलों में त्वरित पुलिस सहायता ☑ पंजाब पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, कानूनी सहायता विभाग का संयुक्त सहयोग ☑ हर जिले में विशेष बचाव वाहन तैनात ☑ चंडीगढ़ में राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित

क्या है पंजाब का प्रोजेक्ट हिफाजत

Result Mitra
RESULT MITRA

संक्षिप्त विवरण: एक नजर में	
श्रेणी	विवरण
क्रियान्वयन	☑ डिप्टी कमिश्नर (DC) निगरानी करेंगे। ☑ जिला कार्यक्रम अधिकारी (DPO) संचालन देखेंगे। ☑ चंडीगढ़ नियंत्रण कक्ष रीयल-टाइम ट्रैकिंग करेगा।

क्या है पंजाब का प्रोजेक्ट हिफाजत

Result Mitra
RESULT MITRA

संक्षिप्त विवरण: एक नजर में	
श्रेणी	**विवरण**
सरकार का विजन	☑ महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों की रिपोर्टिंग को बढ़ावा देना। ☑ त्वरित कानूनी, चिकित्सा और मानसिक स्वास्थ्य सहायता सुनिश्चित करना। ☑ पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की जवाबदेही बढ़ाना। ☑ पंजाब को तकनीकी और जन-जागरूकता के माध्यम से अधिक सुरक्षित बनाना।

क्या है पंजाब का प्रोजेक्ट हिफाजत

Result Mitra
RESULT MITRA

निष्कर्ष

- 'सुरक्षा अभियान 2025' पंजाब सरकार की महिला और बाल सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।
- यह परियोजना बिना किसी देरी के आपातकालीन सहायता, समन्वित सरकारी सहयोग और मजबूत निगरानी के माध्यम से सुरक्षित और सशक्त समाज के निर्माण में मदद करेगी।

Result Mitra

प्रश्न: पंजाब सरकार द्वारा शुरू किए गए "सुरक्षा अभियान 2025" के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 24×7 हेल्पलाइन और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली प्रदान करता है।

2. इस अभियान के तहत हर जिले में बचाव वाहन तैनात किए जाएंगे।

3. यह अभियान केवल पंजाब पुलिस द्वारा संचालित किया जाएगा और इसमें अन्य सरकारी विभागों की कोई भूमिका नहीं होगी।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 2 और 3

(C) केवल 1 और 3

(D) 1, 2 और 3

बेंगलुरु सिटी यूनिवर्सिटी का नाम मनमोहन सिंह बेंगलुरु विश्वविद्यालय घोषित

Result Mitra

UPSC Syllabus Relavanace

- UPSC Mains Paper 2

बेंगलुरु सिटी यूनिवर्सिटी का नाम मनमोहन सिंह बेंगलुरु विश्वविद्यालय घोषित

Result Mitra
RESULT MITRA

- कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने घोषणा की है कि बेंगलुरु सिटी विश्वविद्यालय का नाम बदलकर डॉ. मनमोहन सिंह बेंगलुरु विश्वविद्यालय किया जाएगा। यह निर्णय पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को सम्मान देने के उद्देश्य से लिया गया है।

Result Mitra
RESULT MITRA

- इसके साथ ही, गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज और गवर्नमेंट आरसी कॉलेज को इस विश्वविद्यालय के संबद्ध कॉलेजों के रूप में शामिल किया जाएगा।
- इसके अलावा, कर्नाटक सरकार राज्य में उच्च शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए बड़े निवेश की योजना बना रही है, जिसमें रिक्त शिक्षकों के पदों को भरना, बुनियादी ढांचे में सुधार और तकनीकी शिक्षा का विस्तार शामिल है।

बेंगलुरु सिटी यूनिवर्सिटी का नाम मनमोहन सिंह बेंगलुरु विश्वविद्यालय घोषित

मुख्य घोषणाएँ और सुधार योजनाएँ

1. विश्वविद्यालय का नामकरण और विस्तार

- बेंगलुरु सिटी विश्वविद्यालय का नाम बदलकर "डॉ. मनमोहन सिंह बेंगलुरु विश्वविद्यालय" किया जाएगा।
- गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज और गवर्नमेंट आरसी कॉलेज को इस विश्वविद्यालय के संबद्ध संस्थान के रूप में जोड़ा जाएगा।

मुख्य घोषणाएँ और सुधार योजनाएँ

2. उच्च शिक्षा में बड़े सुधार

- 2,000 रिक्त शिक्षकों के पद भरे जाएंगे ताकि राज्य के प्रथम श्रेणी के कॉलेजों और इंजीनियरिंग संस्थानों में शिक्षण गुणवत्ता में सुधार हो।
- 16 सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में "प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस" नियुक्त किए जाएंगे, जिससे छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान और बेहतर रोजगार अवसर मिल सकें।

मुख्य घोषणाएँ और सुधार योजनाएँ

2. उच्च शिक्षा में बड़े सुधार

- सरकारी इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक और डिग्री कॉलेजों के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए ₹275 करोड़ का आवंटन किया गया।
- नव स्थापित पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग कॉलेजों के लिए ₹10 करोड़ की धनराशि निर्धारित, जिससे फर्नीचर, उपकरण, कंप्यूटर और पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी।

मुख्य घोषणाएँ और सुधार योजनाएँ

3. तकनीकी शिक्षा का विस्तार

- चिंतामणि, चिक्कबल्लापुर जिले में विश्वेश्वरैया टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (VTU) का संबद्ध कॉलेज ₹150 करोड़ की लागत से स्थापित किया जाएगा।
- मैसूर विश्वविद्यालय में प्रो. नंजुंडास्वामी अनुसंधान पीठ (Research Chair) की स्थापना की जाएगी, जिससे शैक्षणिक अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा।

उच्च शिक्षा में सुधार के लिए सरकार की रणनीति

शिक्षक नियुक्तियाँ और गुणवत्ता सुधार

- उच्च शिक्षा संस्थानों में रिक्त शिक्षकों की भर्ती से छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी।
- प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस की नियुक्ति से उद्योग और शिक्षा के बीच समन्वय बढ़ेगा।

उच्च शिक्षा में सुधार के लिए सरकार की रणनीति

इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार

- इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेजों के बुनियादी ढांचे के उन्नयन से तकनीकी शिक्षा को मजबूती मिलेगी।
- नए कॉलेजों में आधुनिक उपकरण और पुस्तकालय संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

उच्च शिक्षा में सुधार के लिए सरकार की रणनीति

तकनीकी शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा

- नई शोध पीठ की स्थापना से राज्य में उच्च शिक्षा और अनुसंधान को नई दिशा मिलेगी।
- VTU का विस्तार इंजीनियरिंग छात्रों के लिए अधिक अवसर प्रदान करेगा।

बेंगलुरु सिटी यूनिवर्सिटी का नाम मनमोहन सिंह बेंगलुरु विश्वविद्यालय घोषित

Result Mitra
RESULT MITRA

संक्षिप्त विवरण: एक नजर में	
श्रेणी	विवरण
क्यों चर्चा में?	बेंगलुरु सिटी विश्वविद्यालय का नाम बदलकर "डॉ. मनमोहन सिंह बेंगलुरु विश्वविद्यालय" किया जाएगा।
नामकरण का उद्देश्य	पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को सम्मान देना।
संबद्ध कॉलेज	गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज और गवर्नमेंट आरसी कॉलेज।

बेंगलुरु सिटी यूनिवर्सिटी का नाम मनमोहन सिंह बेंगलुरु विश्वविद्यालय घोषित

Result Mitra
RESULT MITRA

संक्षिप्त विवरण: एक नजर में	
श्रेणी	विवरण
शिक्षा सुधार	☑ 2,000 शिक्षकों की भर्ती। ☑ 16 सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस की नियुक्ति। ☑ इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक और डिग्री कॉलेजों के लिए ₹275 करोड़ का निवेश। ☑ नव स्थापित कॉलेजों के लिए ₹10 करोड़ का अतिरिक्त बजट।

बेंगलुरु सिटी यूनिवर्सिटी का नाम मनमोहन सिंह बेंगलुरु विश्वविद्यालय घोषित

संक्षिप्त विवरण: एक नजर में	
श्रेणी	**विवरण**
तकनीकी शिक्षा का विस्तार	☑ चिंतामणि, चिक्कबल्लापुर में VTU संबद्ध कॉलेज की स्थापना (₹150 करोड़)। ☑ मैसूर विश्वविद्यालय में प्रो. नंजुंडास्वामी अनुसंधान पीठ की स्थापना।
सरकार की प्राथमिकता	☑ शिक्षा संस्थानों को सशक्त बनाना। ☑ तकनीकी शिक्षा में सुधार। ☑ उद्योग और शिक्षा के बीच समन्वय बढ़ाना।

निष्कर्ष

- कर्नाटक सरकार का यह कदम राज्य में उच्च शिक्षा के बुनियादी ढांचे, शिक्षण गुणवत्ता और तकनीकी शिक्षा को नया आयाम देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।
- डॉ. मनमोहन सिंह बेंगलुरु विश्वविद्यालय न केवल नाम परिवर्तन का प्रतीक है, बल्कि राज्य में उच्च शिक्षा को सशक्त बनाने के सरकार के व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

प्रश्न: हाल ही में कर्नाटक सरकार ने बेंगलुरू सिटी विश्वविद्यालय का नाम बदलकर "डॉ. मनमोहन सिंह बेंगलुरू विश्वविद्यालय" रखने की घोषणा की। इसके संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इस निर्णय का उद्देश्य पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को सम्मान देना है।

2. इस विश्वविद्यालय के अंतर्गत गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज और गवर्नमेंट आरसी कॉलेज को संबद्ध किया जाएगा।

3. कर्नाटक सरकार ने राज्य में उच्च शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए 5000 नई शिक्षकों की भर्ती करने का निर्णय लिया है।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 2 और 3

(C) केवल 1 और 3

(D) 1, 2 और 3

रोजगार में लैंगिक समानता पर ILO की रिपोर्ट

UPSC Syllabus Relavanace

- UPSC Mains Paper 2

Result Mitra

DAILY CURRENT AFFAIRS

रोजगार में लैंगिक समानता पर ILO की रिपोर्ट

RESULT MITRA

- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने हाल ही में "महिलाएं और अर्थव्यवस्था: बीजिंग घोषणा के 30 वर्ष बाद" शीर्षक से एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट जारी की है।
- यह रिपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (IWD) 2025 के अवसर पर प्रकाशित की गई, जिसका इस वर्ष का विषय "सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए: अधिकार समानता" है।

रोजगार में लैंगिक समानता पर ILO की रिपोर्ट

Result Mitra
RESULT MITRA

मुख्य उद्देश्य:

- वैश्विक कार्यबल में लैंगिक समानता की धीमी गति को उजागर करना।
- रोजगार, मजदूरी और कार्यस्थल सुरक्षा में सुधार की आवश्यकता को रेखांकित करना।
- महिला श्रम भागीदारी और नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए ठोस नीतियों की सिफारिश करना।

रोजगार में लैंगिक समानता पर ILO की रिपोर्ट

Result Mitra
RESULT MITRA

आईएलओ रिपोर्ट 2025: प्रमुख निष्कर्ष

1. महिला नेतृत्व की स्थिति

- वैश्विक स्तर पर प्रबंधकीय पदों पर महिलाओं की हिस्सेदारी मात्र 30% है, जो पिछले दो दशकों की तुलना में मामूली सुधार दर्शाता है।
- निम्न आय वाले देशों में महिला नेतृत्व में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है, जहां प्रबंधकीय पदों पर महिलाओं का प्रतिशत 24.7% से बढ़कर 36.5% हो गया है।

आईएलओ रिपोर्ट 2025: प्रमुख निष्कर्ष

2. लैंगिक रोजगार असमानता

- 2024 में, कार्यशील आयु की 46.4% महिलाएं कार्यरत थीं, जबकि पुरुषों की भागीदारी 69.5% थी।
- पिछले 30 वर्षों में यह अंतर केवल 4 प्रतिशत अंक तक कम हुआ है।
- रिपोर्ट के अनुसार, यदि यही रफ्तार बनी रही, तो वैश्विक लैंगिक समानता हासिल करने में 190 वर्ष से अधिक का समय लग सकता है।

रोजगार में लैंगिक समानता पर ILO की रिपोर्ट

आईएलओ रिपोर्ट 2025: प्रमुख निष्कर्ष

3. लैंगिक वेतन असमानता

- सभी आय वर्गों में, विशेष रूप से निम्न आय वाले देशों में, प्रति श्रमिक वार्षिक आय में असमानता में सुधार हुआ है।
- फिर भी, महिलाओं की औसत आय अभी भी पुरुषों की तुलना में कम बनी हुई है।
- महिलाओं को कम घंटे काम करने और अनौपचारिक रोजगार में अधिक संलग्न होने के कारण आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है।

रोजगार में लैंगिक समानता पर ILO की रिपोर्ट

आईएलओ रिपोर्ट 2025: प्रमुख निष्कर्ष

4. अवैतनिक देखभाल कार्य का भार

- महिलाएं पुरुषों की तुलना में प्रति सप्ताह लगभग 6 घंटे 25 मिनट अधिक अवैतनिक श्रम (देखभाल कार्य) करती हैं।
- महिलाओं पर यह भार पुरुषों की तुलना में 3.2 गुना अधिक है, जिससे श्रम बाजार में उनकी भागीदारी सीमित हो जाती है।
- रिपोर्ट के अनुसार, 708 मिलियन महिलाएं अत्यधिक घरेलू जिम्मेदारियों के कारण श्रम बल से बाहर हैं।

रोजगार में लैंगिक समानता पर ILO की रिपोर्ट

Result Mitra
RESULT MITRA

आईएलओ रिपोर्ट 2025: प्रमुख निष्कर्ष

5. कम वेतन वाले क्षेत्रों में महिलाओं की अधिक भागीदारी

- नर्सिंग, चाइल्डकेयर, और अन्य कम वेतन वाले क्षेत्रों में महिलाओं का दबदबा है।
- दूसरी ओर, परिवहन, मैकेनिक्स और तकनीकी क्षेत्रों में पुरुषों का वर्चस्व बना हुआ है।
- यह व्यावसायिक विभाजन लैंगिक वेतन असमानता को और बढ़ाता है।

आईएलओ रिपोर्ट 2025: प्रमुख निष्कर्ष

6. कार्यस्थल पर लैंगिक जोखिम और असुरक्षा

- महिलाओं के कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न और हिंसा का सामना करने की संभावना पुरुषों की तुलना में 1.6 गुना अधिक है।
- युवा और प्रवासी महिलाओं में यह जोखिम और अधिक बढ़ जाता है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 महामारी जैसे वैश्विक संकटों ने लैंगिक समानता की दिशा में हुई प्रगति को धीमा कर दिया है।

रोजगार में लैंगिक समानता पर ILO की रिपोर्ट

Result Mitra
RESULT MITRA

आईएलओ की प्रमुख सिफारिशें

- असमान देखभाल जिम्मेदारियों को कम करने के लिए नीतिगत सुधार।
- महिलाओं और पुरुषों के वेतन अंतर को पाटने के लिए प्रभावी हस्तक्षेप।
- कार्यस्थल पर हिंसा और उत्पीड़न को रोकने के लिए मजबूत कानून और सुरक्षा उपाय।

रोजगार में लैंगिक समानता पर ILO की रिपोर्ट

Result Mitra
RESULT MITRA

आईएलओ की प्रमुख सिफारिशें

- महिलाओं को उच्च वेतन वाले क्षेत्रों में प्रोत्साहित करने के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- महिला श्रम भागीदारी को बढ़ाने के लिए लचीली कार्य नीतियाँ और सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ।

रोजगार में लैंगिक समानता पर ILO की रिपोर्ट

Result Mitra
RESULT MITRA

संक्षिप्त विवरण: एक नजर में	
श्रेणी	**विवरण**
रिपोर्ट का शीर्षक	"महिलाएं और अर्थव्यवस्था: बीजिंग घोषणा के 30 वर्ष बाद"
कब जारी की गई?	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (IWD) 2025 पर
IWD 2025 का विषय	"सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए: अधिकार समानता"
महिला नेतृत्व	☑ वैश्विक प्रबंधकीय पदों पर महिलाओं की भागीदारी मात्र 30%। ☑ निम्न आय वाले देशों में यह प्रतिशत 24.7% से 36.5% तक बढ़ा।

रोजगार में लैंगिक समानता पर ILO की रिपोर्ट

संक्षिप्त विवरण: एक नजर में	
श्रेणी	**विवरण**
लैंगिक रोजगार अंतर	☑ 2024 में महिलाओं की रोजगार दर 46.4%, पुरुषों की 69.5%। ☑ 30 वर्षों में यह अंतर सिर्फ 4% कम हुआ। ☑ गति यही रही तो लैंगिक समानता पाने में 190 वर्ष लगेंगे।
लैंगिक वेतन असमानता	☑ महिलाएं पुरुषों की तुलना में कम कमाती हैं और कम घंटे काम करती हैं। ☑ अनौपचारिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी अधिक।

DAILY CURRENT AFFAIRS

रोजगार में लैंगिक समानता पर ILO की रिपोर्ट

Result Mitra
RESULT MITRA

संक्षिप्त विवरण: एक नजर में	
श्रेणी	विवरण
अवैतनिक देखभाल कार्य	☑ महिलाएं प्रति सप्ताह पुरुषों की तुलना में 6 घंटे 25 मिनट अधिक अवैतनिक श्रम करती हैं। ☑ 3.2 गुना अधिक समय घरेलू काम और देखभाल कार्यों में व्यतीत करती हैं। ☑ 708 मिलियन महिलाएं कार्यबल से बाहर हैं।
कम वेतन वाले क्षेत्रों में भागीदारी	☑ नर्सिंग, चाइल्डकेयर जैसे कम वेतन वाले क्षेत्रों में महिलाओं की संख्या अधिक। ☑ उच्च वेतन वाले क्षेत्रों में पुरुषों की प्रधानता।

रोजगार में लैंगिक समानता पर ILO की रिपोर्ट

Result Mitra
RESULT MITRA

संक्षिप्त विवरण: एक नजर में	
श्रेणी	**विवरण**
कार्यस्थल पर लैंगिक असुरक्षा	☑ महिलाओं के यौन उत्पीड़न का शिकार होने की संभावना पुरुषों की तुलना में 1.6 गुना अधिक। ☑ युवा और प्रवासी महिलाएं अधिक संवेदनशील।
रिपोर्ट में सिफारिशें	☑ असमान देखभाल जिम्मेदारियों को कम करने के लिए नीतिगत सुधार। ☑ लैंगिक वेतन अंतर को खत्म करने के लिए हस्तक्षेप। ☑ कार्यस्थल पर सुरक्षा उपायों को बढ़ाने की सिफारिश। ☑ महिलाओं को उच्च वेतन वाले क्षेत्रों में प्रोत्साहित करने की योजना। ☑ सामाजिक सुरक्षा और लचीली कार्य नीतियों की जरूरत।

रोजगार में लैंगिक समानता पर ILO की रिपोर्ट

निष्कर्ष

आईएलओ की यह रिपोर्ट दर्शाती है कि हालांकि पिछले 30 वर्षों में लैंगिक समानता की दिशा में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन यह बहुत धीमी और असमान रही है।

- महिलाओं की कार्यबल भागीदारी अब भी पुरुषों से काफी कम है।
- अवैतनिक देखभाल कार्य और कार्यस्थल की असुरक्षा प्रमुख चुनौतियाँ बनी हुई हैं।

रोजगार में लैंगिक समानता पर ILO की रिपोर्ट

Result Mitra
RESULT MITRA

निष्कर्ष

- यदि सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो लैंगिक समानता हासिल करने में कई पीढ़ियाँ लग सकती हैं।
- इस रिपोर्ट से यह स्पष्ट होता है कि वैश्विक स्तर पर महिलाओं की आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए तत्काल नीतिगत हस्तक्षेप आवश्यक हैं।

Result Mitra

प्रश्न: अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) द्वारा जारी रिपोर्ट "महिलाएं और अर्थव्यवस्था: बीजिंग घोषणा के 30 वर्ष बाद" के अनुसार निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. वैश्विक स्तर पर प्रबंधकीय पदों पर महिलाओं की हिस्सेदारी मात्र 30% है।

2. वर्तमान में कार्यशील आयु की 46.4% महिलाएं कार्यरत हैं, जबकि पुरूषों की भागीदारी 69.5% है।

3. रिपोर्ट के अनुसार, यदि मौजूदा गति से प्रगति जारी रही तो वैश्विक लैंगिक समानता 50 वर्षों के भीतर हासिल हो जाएगी।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(A) केवल 1 और 2 (B) केवल 2 और 3

(C) केवल 1 और 3 (D) 1, 2 और 3

कालाज़ार की रोकथाम - चुनौतियाँ और समाधान

UPSC Syllabus Relavanace

- UPSC Mains Paper 2

कालाज़ार की रोकथाम - चुनौतियाँ और समाधान

Result Mitra
RESULT MITRA

चर्चा में क्यों?

- भारत ने 2023 तक कालाजार उन्मूलन का लक्ष्य हासिल कर लिया है, अर्थात ब्लॉक स्तर पर कालाजार के वार्षिक मामलों को घटाकर प्रति दस हजार की आबादी पर एक से भी कम करना है, जो सतत विकास लक्ष्य से अधिक है।

कालाज़ार की रोकथाम - चुनौतियाँ और समाधान

Result Mitra
RESULT MITRA

कालाजार रोग क्या है?

- इसे विसेरल लीशमैनियासिस या ब्लैक फीवर या डमडम फीवर के नाम से भी जाना जाता है।
- **लीशमैनियासिस के तीन प्रकार हैं:**

1. विसराल लीशमैनियासिस , जो कई अंगों को प्रभावित करता है और यह रोग का सबसे गंभीर रूप है।
2. त्वचीय लीशमैनियासिस, जो त्वचा पर घाव पैदा करता है और सबसे आम रूप है।
3. म्यूकोक्यूटेनियस लीशमैनियासिस, जो त्वचा और म्यूकोसल घावों का कारण बनता है।

कालाजार रोग क्या है?

- यह एक घातक परजीवी रोग है जो प्रोटोजोआ परजीवी लीशमैनिया के कारण होता है और मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में रहने वाले लोगों को प्रभावित करता है।
- यदि इस रोग का उपचार न किया जाए तो यह मृत्यु का कारण बन सकता है।

कालाज़ार की रोकथाम - चुनौतियाँ और समाधान

Result Mitra
RESULT MITRA

कालाजार रोग क्या है?

संचरण:

- यह संक्रमित मादा फ्लेबोटोमाइन सैंडफ्लाई के काटने से मनुष्यों में फैलता है ।

संकेत और लक्षण:

- बुखार, वजन घटना, एनीमिया, तथा यकृत और प्लीहा का बढ़ना।

रोकथाम:

- कालाजार की रोकथाम में बालू मक्खियों के प्रजनन स्थलों को कम करने तथा लोगों को बालू मक्खियों के काटने से बचाने के उपाय शामिल हैं।

कालाज़ार की रोकथाम - चुनौतियाँ और समाधान

Result Mitra
RESULT MITRA

कालाजार रोग क्या है?

- यह कीटनाशकों, मच्छरदानियों और कीटनाशकों के उपयोग के साथ-साथ आवास की स्थिति में सुधार और स्वच्छ जल एवं स्वच्छता तक पहुंच के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन उन क्षेत्रों में सामूहिक औषधि प्रशासन (एमडीए) की भी सिफारिश करता है जहां यह रोग स्थानिक है।

कालाजार रोग क्या है?

इलाज:

- कालाजार के उपचार में सोडियम स्टिबोग्लुकोनेट और मेग्लुमाइन एंटीमनीएट जैसी दवाओं का उपयोग शामिल है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन कालाजार के उपचार के लिए दो या दो से अधिक दवाओं के संयोजन की सिफारिश करता है , क्योंकि अकेले उपचार से उपचार विफल होने और दवा प्रतिरोध का जोखिम अधिक होता है।

कालाज़ार की रोकथाम - चुनौतियाँ और समाधान

Result Mitra
RESULT MITRA

संबंधित पहल:

वैश्विक:

- 2021-2030 के लिए डब्ल्यूएचओ का नया रोडमैप: 2030 तक 20 बीमारियों, जिन्हें उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग कहा जाता है, को रोकना, नियंत्रित करना, समाप्त करना और उन्मूलन करना।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने लिम्फेटिक फाइलेरियासिस उन्मूलन हेतु वैश्विक कार्यक्रम (जीपीईएलएफ) की भी स्थापना की है , जिसका उद्देश्य एमडीए द्वारा लिम्फेटिक फाइलेरियासिस, ओंकोसेरसियासिस और कालाजार को समाप्त करना है ।

कालाज़ार की रोकथाम - चुनौतियाँ और समाधान

Result Mitra
RESULT MITRA

संबंधित पहल:

वैश्विक:

- जीपीईएलएफ द्वारा वर्ष 2000 में वर्ष 2020 तक इन बीमारियों को पूरी दुनिया से खत्म करने का जो लक्ष्य रखा गया था, वह हासिल नहीं हो सका। कोविड-19 के कारण आई बाधाओं के बावजूद डब्ल्यूएचओ वर्ष 2030 तक इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए काम में तेजी लाएगा।

कालाज़ार की रोकथाम - चुनौतियाँ और समाधान

Result Mitra
RESULT MITRA

संबंधित पहल:

भारतीय:

- भारत ने 2023 तक कालाजार उन्मूलन का लक्ष्य हासिल कर लिया है, अर्थात ब्लॉक स्तर पर कालाजार के वार्षिक मामलों को घटाकर प्रति दस हजार की आबादी पर एक से भी कम करना है, जो सतत विकास लक्ष्य से अधिक है।

प्रश्न: कालाज़ार (विसेरल लीशमैनियासिस) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह एक परजीवी रोग है, जो लीशमैनिया नामक प्रोटोजोआ के कारण होता है।

2. कालाजार रोग संक्रमित नर सैंडफ्लाई के काटने से फैलता है।

3. भारत ने 2023 तक ब्लॉक स्तर पर कालाजार के वार्षिक मामलों को घटाकर प्रति दस हजार की आबादी पर एक से कम करने का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(A) केवल 1 और 3 (B) केवल 2 और 3

(C) केवल 1 और 2 (D) 1, 2 और 3

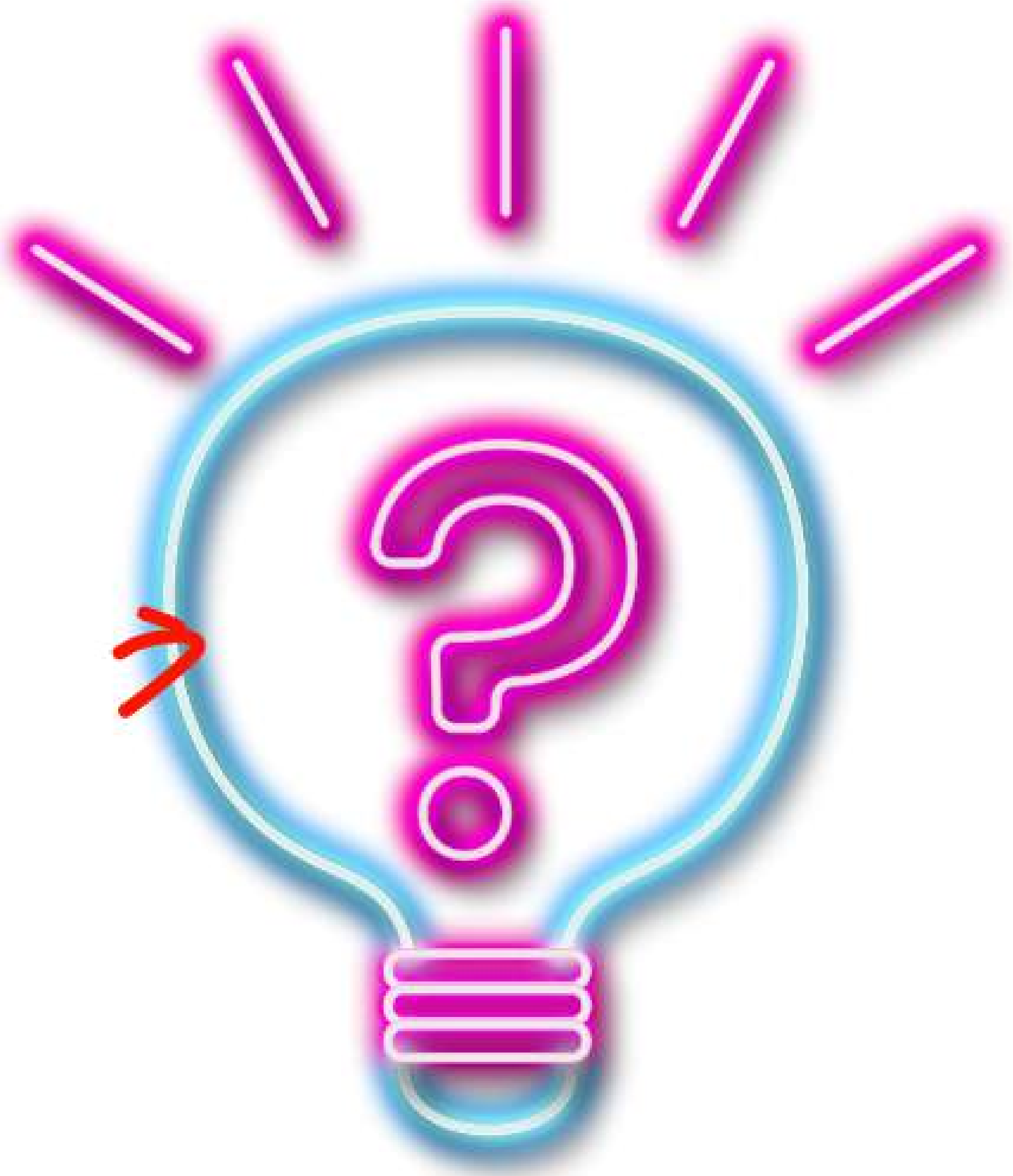

Thank You

Result Mitra™